Mujhe Apni Saran me Lelo Ram

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम, ले लो राम,

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम॥-2-

लोचन मन मे जगह न हो तो।

जुगल चरण मे ले लो राम, ले लो राम..

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम।

जीवन देके जाल बिछाया।

रचके माया नाच नचाया॥

चिन्ता मेरी तभी मिटेगी।-2-

जब चिन्तन मे ले लो राम, ले लो राम..

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम।

तुम ने लाखो पापी तारे।

मेरी बारी बाजी हारे॥ बाजी हारे..

मेरे पास न पुण्य की पूजी।-2-

पद-पूजन मे ले लो राम, ले लो राम..

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम।

www.totalbhakti.com

घर-घर अटकू, दर-दर भटकू।

कहाँ-कहाँ अपना सर पटकू॥

इस जीवन मे मिलो न तुमतो।

मुझे मरन मे ले लो राम, ले लो राम,

मुझे अपनी शरण मे ले लो राम।

www.totalbhakti.com